-

12.51 hrs

Speaker made references to the sad demise of the former Prime Minister Dr Manmohan Singh, Shri Kunar Hembram, Member of the Seventeenth Lok Sabha; Shri Hassan Khan, Member of the Thirteenth and Fifteenth Lok Sabhas; Dr. Manda Jagannath, Member of the Eleventh, Thirteenth, Fourteenth and Fifteenth Lok Sabhas; and Shri P.R. Sundaram, Member of the Sixteenth Lok Sabha.The Speaker also made reference to the passing away of Mr. James Earl Carter Jr., former President of United States of America. He further made reference to the loss of lives of 30 devotees and injuries caused to 60 devotees in a tragic incident that occurred during Mahakumbh in Prayagraj on 29.01.2025. Thereafter, members stood in silence for a short while as a mark of respect to the memory of the departed souls.

माननीय अध्यक्ष**:** माननीय सदस्यगण, मुझे सभा को भारत के पूर्व प्रधानमंत्री माननीय डॉ. मनमोहन सिंह जी और हमारे चार पूर्व साथियों तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति श्री जेम्स अर्ल कार्टर जूनियर के निधन के बारे में सूचित करना है ।

डॉ**.** मनमोहन सिंह जी वर्ष 2004 से वर्ष 2009 तक और वर्ष 2009 से वर्ष 2014 तक दो कार्यकालों के लिए भारत के प्रधानमंत्री रहे । उन्होंने वर्ष 1991 से वर्ष 2024 तक छह कार्यकालों के लिए राज्य सभा के सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दीं । वे वर्ष 1998 से वर्ष 2004 तक राज्य सभा में प्रतिपक्ष के नेता रहे ।

डॉ. सिंह ने ने वर्ष 1991 से वर्ष 1996 तक केंद्रीय वित्त मंत्री के रूप में अपनी सेवाएं दी ।

डॉ. मनमोहन सिंह जी का भारत में 1990 के दशक में किए गए आर्थिक उदारीकरण नीति में महत्वपूर्ण योगदान था, जिसके कारण देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया ।

अपने दीर्घ, उत्कृष्ट तथा अत्यंत गरिमापूर्ण संसदीय करियर के दौरान उन्होंने वाणिज्य संबंधी समिति के सभापति के रूप में भी कार्य किया था तथा वे वित्त संबंधी समिति, नियम संबंधी समिति, विशेषाधिकार समिति और सामान्य प्रयोजनों संबंधी समिति के सदस्य भी रहे ।

डॉ. सिंह को पूरे विश्व में अर्थशास्त्र एवं लोक नीति के क्षेत्र में एक प्रतिष्ठित विद्वान के रूप में जाना जाता है । उन्होंने भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर, योजना आयोग के उपाध्यक्ष जैसे अनेक महत्वपूर्ण पदों को भी सुशोभित किया ।

डॉ. सिंह को वर्ष 1987 में पद्म विभूषण और वर्ष 1993 में 'वर्ष के श्रेष्ठ वित्त मंत्री' के लिए यूरो-मनी पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया । उन्हें ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय और कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय सहित दुनिया भर के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों से अनेक मानद उपाधियाँ भी प्राप्त की ।

आर्थिक विचारक एवं चिंतक के रूप में उनके योगदान के अतिरिक्त उन्हें अपनी कर्तव्यनिष्ठा, सरल स्वभाव और विनम्र व्यवहार के लिए सदैव याद रखा जाएगा ।

डॉक्टर मनमोहन सिंह जी का निधन 26 दिसंबर, 2024 को 92 वर्ष की आयु में नई दिल्ली में हुआ ।

12.56 hrs

माननीय अध्यक्ष **:** माननीय सदस्यगण, श्री कुनार हेमब्राम पश्चिम बंगाल के झारग्राम संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से 17 वीं लोक सभा के सदस्य थे ।

श्री हेमब्राम ने कोयला, खान और इस्पात संबंधी संसदीय स्थायी समिति के सदस्य के रूप में कार्य किया ।

श्री कुनार हेमब्राम का निधन 62 वर्ष की आयु में 21 सितंबर, 2024 को कोलकाता, पश्चिम बंगाल में हुआ ।

श्री हसन खान तत्कालीन जम्मू और कश्मीर राज्य (अब लद्दाख संघ राज्य क्षेत्र प्रशासन) के लद्दाख संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से 13 वीं और 15 वीं लोक सभा के सदस्य थे ।

श्री खान ने अनेक संसदीय समितियों के सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दीं ।

श्री हसन खान का निधन 88 वर्ष की आयु में 17 दिसंबर, 2024 को जम्मू-कश्मीर संघ राज्य क्षेत्र के जम्मू में हुआ ।

डॉक्टर मांडा जगन्नाथ अविभाजित आंध्र प्रदेश (अब तेलंगाना में) के नागर-कुरनूल संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से 11 वीं, 13 वीं, 14 वीं और 15 वीं लोक सभा के सदस्य थे ।

डॉक्टर जगन्नाथ ने अनेक संसदीय समितियों के सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दीं ।

डॉक्टर मांडा जगन्नाथ का निधन 12 जनवरी, 2025 को हैदराबाद, तेलंगाना में 73 वर्ष की आयु में हुआ ।

श्री पी**.** आर**.** सुंदरम तमिलनाडु के नमक्कल संसदीय निर्वाचन क्षेत्र से 16 वीं लोक सभा के सदस्य थे ।

श्री सुंदरम ने मानव संसाधन विकास संबंधी संसदीय स्थायी समिति के सदस्य, सभा पटल पर रखे गए पत्रों संबंधी समिति और अन्य कई संसदीय समितियों के सदस्य के रूप में अपनी सेवाएं दीं । इससे पहले वह दो कार्यकालों तक तमिलनाडु विधान सभा के सदस्य भी रहे ।

श्री पी. आर. सुंदरम का निधन 73 वर्ष की आयु में 16 जनवरी, 2025 को नमक्कल, तमिलनाडु में हुआ ।

माननीय सदस्यगण, मुझे सभा को संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति श्री जेम्स अर्ल कार्टर जूनियर के निधन के बारे में भी सूचित करना है ।

श्री कार्टर ने वर्ष 1977 से 1981 तक संयुक्त राज्य अमेरिका के 39 वें राष्ट्रपति के रूप में अपनी सेवाएं दीं । वर्ष 1978 में राष्ट्रपति कार्टर की भारत यात्रा और दिल्ली घोषणा पत्र पर उनके सह-हस्ताक्षर ने साझा लोकतांत्रिक मूल्यों पर आधारित भारत-अमेरिका संबंधों को स्थायी बनाने की मजबूत नींव रखी ।

अमेरिका के राष्ट्रपति पद के दायित्वों के निर्वहन के अतिरिक्त कार्टर सेंटर के माध्यम से वे एक बेहतर विश्व के निर्माण के लिए आजीवन समर्पित रहे । मानवता के प्रति उनके योगदान के लिए वर्ष 2002 में उन्हें नोबल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया ।

श्री जेम्स अर्ल कार्टर जूनियर का निधन 100 वर्ष की आयु में 29 दिसंबर, 2024 को जॉर्जिया, अमेरिका में हुआ ।

यह सभा राष्ट्रपति कार्टर के योगदान की सराहना करती है तथा उनके परिवारजनों, संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार और वहां की जनता के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करती है ।

13.00 hrs

माननीय सदस्यगण, महाकुम्भ भारत की शाश्वत आध्यात्मिक विरासत का प्रतीक है । महाकुम्भ में आस्था, भक्ति और संस्कृति के पवित्र संगम में करोड़ों भक्तजन भाग ले रहे हैं । यह विराट एवं दिव्य आयोजन हमारे देश की ? अनेकता में एकता? की भावना को साकार करता है । तथापि, मुझे सभा को अत्यंत दुख के साथ सूचित करना है कि दिनांक 29 जनवरी, 2025 को प्रयागराज में महाकुम्भ के दौरान एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना में 30 श्रद्धालुओं की दुखद मृत्यु हो गई है तथा 60 श्रद्धालु घायल हो गए । यह हमारे लिए गहरे शोक का विषय है ।

माननीय सदस्यगण, यह सभा भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह जी, हमारे चार पूर्व सहयोगियों और संयुक्त राज्य अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति श्री जेम्स अर्ल कार्टर जूनियर के निधन तथा महाकुम्भ में हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना में श्रद्धालुओं के निधन पर अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करती है । सभा घायल श्रद्धालुओं के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना करती है ।

अब सभा दिवंगत पुण्यात्माओं के सम्मान में कुछ देर मौन रहेगी ।

-

13.01 hrs

The members then stood in silence for a short while.

माननीय अध्यक्ष**:** ओम शांति: शांति: शांति: ।

———